गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर छ.ग.

हिन्दी विभाग
कला संकाय

सत्र-2015-16 (एवं क्रमशः)
हेतु
संचालित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के
चयन आधारित स्तरीय प्रणाली
(Choice Based Credit System)
की सत्रीय व्यवस्था युक्त
2015-16 (एवं क्रमशः)

पाठ्यक्रम परिचय

हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम चार सत्रों में संयोजित है| प्रत्येक सत्र में चार प्रश्न-पत्र शामिल हैं, प्रश्न-पत्र 100 अंकों के होंगे| 60 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए निर्धारित है और 40 अंक आतंरिक मूल्यांकन (वर्गीय मूल्यांकन एवं अधिन्यास/पत्र-प्रस्तुति)के लिए निर्धारित हैं | सत्रांत परीक्षा के लिए 3.00 घंटे का समय निर्धारित है|स्नातकोत्तर दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 80 क्रेडिट निर्धारित है |

[पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित अध्ययन सामग्री/पाठ निम्नानुसार है]

अंक आबंटन:

सत्र	प्रश्न पत्र	सैद्धांतिक	आतंरिक मूल्यांकन
प्रथम	4	60x4=240	40x4=160
द्वितीय	4	60x4=240	40x4=160
तृतीय	4	60x4=240	40x4=160
चतुर्थ	4	60x4=240	40x4=160

अध्ययन पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	छायावादी काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2		कथेतर गद्य विधाएं	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	भाषा विज्ञान	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

द्वितीय सत्र

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	छायावादोत्तर काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2		कथा साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	स्त्री एवं दलित : अध्ययन और साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

तृतीय सत्र

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	भक्ति काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2	मुख्य	नाटक एवं एकांकी	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	भारतीय काव्यशास्त्र	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	आधुनिक भारतीय साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

चतुर्थ सत्र - इस सत्र में तीन मुख्य प्रश्न-पत्र होंगे और एक वैकल्पिक प्रश्न-पत्र होंगे जो कि विभागाध्यक्ष की अनुमति के बाद आवंटित किया जाएगा |

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	रीति काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2	मुख्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	हिन्दी आलोचना	100/40 (Grade: O/P)	05
4	वैकल्पिक	(क) रंगमंच एवं लोक साहित्य (ख) अनुवाद अध्ययन (ग) जनसंचार माध्यम (घ) प्राचीन काव्य (ङ) अपभ्रंश साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या–101
छायावादी काव्य :

प्रथम इकाई

स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा एवं छायावाद
छायावाद : परिभाषा, नामकरण, काल–निर्धारण।
छायावाद युगीन राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश।
स्वाधीनता आन्दोलन और छायावादी कविता।

द्वितीय इकाई

छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि :रोमैंटिसिज़्म,गांधीवाद,आधुनिकता एवं मार्क्सवाद का प्रभाव।

तृतीय इकाई

छायावादी कवियों का संस्कृति, प्रकृति और स्त्री विषयक चिन्तन।
काव्यभाषा एवं छंद विधान, पल्लव की भूमिका,मुक्त छन्द, प्रगीत तथा लम्बी कविता की अवधारणा।

चतुर्थ इकाई

जयशंकर प्रसाद : कामायनी– श्रद्धा और इड़ा
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला : राम की शक्ति–पूजा, बादल राग
सुमित्रानंदन पन्त : परिवर्तन, नौका विहार, अनामिका के कवि के प्रति.
महादेवी वर्मा : क्या पूजा क्या अर्चन रे, पंथ रहने दो अपरिचित, बीन भी हूँ मैं ।

सहायक ग्रन्थः

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. छायावाद का पतन : देवराज
3. छायावाद और नवजागरण : महेंद्रनाथ राय
4. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
5. निराला – आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह
6. कविर्मनीषी निराला : प्रो.सुधाकर सिंह
7. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
8. महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह
9. पंत और पल्लव : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
10. आधुनिक साहित्य : नंद दुलारे वाजपेयी

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 102
कथेतर गद्य विधाएँ

प्रथम इकाई

हिन्दी गद्य की निर्माण–भूमिः फोर्ट विलियम कॉलेज
भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्यः गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खाँ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारेहिन्द, एवं राजा लक्ष्मण सिंह का योगदान।

द्वितीय इकाई

भारतेन्दु युगः आधुनिकता और हिन्दी गद्य का अन्तर्सम्बन्ध।हिन्दी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्व। रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, व्यंग्य एवं निबंध का उद्भव और विकास।

तृतीय इकाई

निबंध :

कविता क्या है : रामचंद्र शुक्ल
अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
व्यापकता और गहराई : नामवर सिंह
संस्कृति का शेषनाग : कुबेरनाथ राय
पगडंडियों का जमाना है : हरिशंकर परसाई

चतुर्थ इकाई

यात्रावृत्तांत :

अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन

आत्मकथा :

अपनी खबर : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

सहायक ग्रन्थ :

1. गद्य साहित्य का इतिहास (हिंदी का गद्य साहित्य) : रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
4. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास–परम्परा : रामविलास शर्मा
5. सामाजिक क्रान्ति के दस्तावेज : सं. शंभुनाथ
6- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 103
(भाषा विज्ञान)

प्रथम इकाई

भाषा की परिभाषा,तत्व,अंग और विशेषताएं,भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं,काव्यभाषा के रूप मे अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप मे ब्रजभाषा का विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप मे खड़ी बोली का उदय और विकास ,

द्वितीय इकाई

स्वनिम विज्ञान -परिभाषा,स्वन,संस्वन,स्वनिम,स्वनभेद,मानस्वर,स्वान परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

रूपिम विज्ञान - शब्द और रूप,सम्बन्ध तत्व और अर्थ तत्व,रूप,संरूप,रूपिमों का स्वरूप,रूपिमों का वर्गीकरण.

तृतीय इकाई

वाक्य विज्ञान- वाक्य की परिभाषा,वाक्य रचना,वाक्य के प्रकार,वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं.

अर्थ विज्ञान - शब्द-अर्थ सम्बन्ध,अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं,

चतुर्थ इकाई

हिन्दी की बोलियाँ - वर्गीकरण तथा क्षेत्र , नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण, राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
2. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
3. भाषा–विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
5. समसामयिक हिन्दी में रूप-स्वनिमिकी : प्रो.सुधाकर सिंह
6. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
7. प्राचीन आर्यभाषा परिवार और हिन्दी : रामविलास शर्मा
8. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
9. One language tow scripts : क्रिस्टोफर किंग
10. Hindi phonetic Reader : ओंकार एन कौल

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 104
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)

प्रथम इकाई

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण,आदिकालीन साहित्यिक परम्पराएं-सिद्ध,नाथ एवं जैन,प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता,अमीर खुसरो की हिन्दी कविता,विद्यापति और उनकी पदावली,

द्वितीय इकाई

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण,भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप,भक्ति आन्दोलन और हिन्दी क्षेत्र.

तृतीय इकाई

भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएं|प्रमुख निर्गुण संत-कवि,प्रमुख सगुण-भक्त-कवि,भारत में सूफ़ी मत का उदय और विकास,हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ,सूफ़ी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएं.

चतुर्थ इकाई

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,रीतिकाल के मूल स्रोत,प्रमुख रीति कवि,रीति काव्य की सामान्य विशेषताएं.

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डे
4. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यकम संख्या : 201
छायावादोत्तर काव्य

प्रथम इकाई

छायावादोत्तर काव्य की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

द्वितीय इकाई

लम्बी कविता का स्वरूप, हालावाद, **नकेनवाद**, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, साठोत्तरी एवं समकालीन कविता.

तृतीय इकाई

उर्वशी(तृतीय सर्ग) : रामधारी सिंह दिनकर
अंधेरे में : गजानन माधव मुक्तिबोध
~~असाध्य वीणा~~ : अज्ञेय

चतुर्थ इकाई

पटकथा : धूमिल
मुक्ति प्रसंग : राजकमल चौधरी
ये शाम है,लौट आ ओ धार : शमशेर बहादुर सिंह
चम्पा काले-काले अक्षर नहीं चीन्हती : त्रिलोचन

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. कल्पना का **उर्वशी** विवाद : सं.–**गोपेश्वर सिंह**
2. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
4. नयी कविता के प्रतिमान : लक्ष्मीकान्त वर्मा
5. जनवादी समझ और साहित्य : रामनारायण शुक्ल
6. कविता की संगत : विजय कुमार
7. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
8. ज्ञान और संवेदना : नंद किशोर 'नवल'

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 202
कथा–साहित्य

प्रथम इकाई

हिन्दी उपन्यास लेखन की परम्परा। हिन्दी उपन्यास की विकास–यात्रा, प्रेमचंद पूर्व उपन्यास,प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार.

द्वितीय इकाई

हिन्दी कहानी की विकास–यात्रा, वैचारिक आधार : प्रेमचंद पूर्व एवं प्रेमचंद युग, नयी कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी जनवादी कहानी, सक्रिय कहानी, समकालीन कहानी।

तृतीय इकाई

उपन्यास :

गोदान	: प्रेमचंद
मैला आँचल	: फणीश्वर नाथ 'रेणु'
शेखर एक जीवनी	: अज्ञेय
बाणभट्ट की आत्मकथा	: हजारी प्रसाद द्विवेदी

चतुर्थ इकाई

कहानी :

उसने कहा था	: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
गुंडा	: जयशंकर प्रसाद
कफ़न	: प्रेमचंद
तीसरी कसम	: फणीश्वर नाथ 'रेणु'
परिंदे	: निर्मल वर्मा
जहाँ लक्ष्मी कैद है	: राजेन्द्र यादव
हंसा जाई अकेला	: मार्कण्डेय
तिरिछ	: उदय प्रकाश
भैया एक्सप्रेस	: अरुण प्रकाश

सहायक गन्थ :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
2. उपन्यास का सिद्धांत : जार्ज लुकाच
3. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
4. उपन्यास और लोक जीवन : रॉल्फ फॉक्स
5. उपन्यास का उदय : ऑयन वॉट
6. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा : रामदरश मिश्र
7. उपन्यास की समकालीनता : ज्योतिष जोशी
8. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय

7. हिन्दी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव : भारत भूषण अग्रवाल
8. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
9. आंचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वर नाथ रेणु : सुभाष कुमार
10. नई कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेंद्र चौधरी
11. एक दुनिया सामानांतर : सं.राजेन्द्र यादव
12. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह

13. ~~[illegible]~~ कहानी [illegible] : कमल मोहन

स्नाकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 203
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रथम इकाई

आधुनिकता की अवधारणा, हिन्दी गद्य एवं आधुनिकता का अन्तर्सम्बन्ध। हिन्दी–उर्दू विवाद : खड़ी बोली की निर्माण भूमि

द्वितीय इकाई

नवजागरण की संकल्पना और हिन्दी नवजागरण,हिन्दी पत्रकारिता की विकास यात्रा : हिन्दी की जातीय चेतना के निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका।

तृतीय इकाई

भारतेंदुयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियॉ एवं भारतेंदु मण्डल, विभिन्न गद्य विधाओं का विकास। द्विवेदी युगः ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिस्थितियॉ हिन्दी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

चतुर्थ इकाई

हिन्दी गद्य विधाओं का उदय और विकास,छायावाद की प्रवृतियाँ,प्रमुख छायावादी कवि,प्रगतिशील साहित्य की प्रवृतियाँ,प्रयोगवाद,नई कविता,समकालीन साहित्य.

सहायक ग्रन्थ :

1. गद्य साहित्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी
2. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा
3. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
5. भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन भाषा चिंतन और पं.गोविन्द नारायण मिश्र : डॉ.जया सिंह
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ : नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
8. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : उमरनाथ

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 204
स्त्री एवं दलित : अध्ययन और साहित्य

प्रथम इकाई

पुरुष प्रधान समाज में स्त्री,परिवार का संगठन और स्त्री,स्त्री और श्रम,स्त्री यौनिकता के प्रश्न,स्त्रीवाद की अवधारणा,आधुनिकता और स्त्री,स्त्रीवादी आन्दोलन,स्त्री:(श्रमिक,दलित,आदिवासी एवं अल्पसंख्यक के विशेष संदर्भ में)

द्वितीय इकाई

मैं नीर भरी दुःख की बदली : महादेवी वर्मा
माई : गीतांजली श्री
अल्मा कबूतरी :मैत्रेयी पुष्पा
कविता :कहती हैं औरतें : सं.- अनामिका

तृतीय इकाई

वर्ण-व्यवस्था और शूद्र, सामंती समाज और जाति व्यवस्था की संरचना,स्वतंत्रता संघर्ष और दलित प्रश्न,शूद्र,हरिजन या दलित,दलित साहित्य की अवधारणा, वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र के निर्माण का प्रश्न,प्रमुख दलित विचारक : ज्योतिबा फुले,अम्बेडकर,कांशीराम

चतुर्थ इकाई

अपने-अपने पिंजरे :मोहनदास नैमिशराय
मुर्दहिया :तुलसीराम
मेरी कहानी : मुंगेकर

सहायक ग्रंथ :

1-दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र :ओमप्रकाश वाल्मीकि
2-साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका :मैनेजर पाण्डेय
3-जाति व्यवस्था : मिथक,वास्तविकता और चुनौतियाँ: सच्चिदानंद सिन्हा
4-नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी
5-स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ के.एम. मालती
6-बाज़ार के बीच : बाज़ार के खिलाफ : प्रभा खेतान
7-आधुनिकता के आईने में दलित :सं. अभय कुमार दुबे
8-सामाजिक न्याय और दलित साहित्य :सं.श्योराज सिंह बेचैन
9. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
10. दलित साहित्य की भूमिका : कँवल भारती

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या : 301
भक्ति काव्य

प्रथम इकाई

भक्तिकाव्य : ऐतिहासिक, सामाजिक एवं दार्शनिक आधार ,

सगुण काव्य एवं निर्गुण काव्य में साम्य एवं वैषम्य, अष्टछाप कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की परम्परा।

द्वितीय इकाई

मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत् (सिंहल द्वीप)
सम्पादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कबीर : (160-190 साखियां) (कबीर सं- हजारी प्रसाद द्विवेदी)

तृतीय इकाई

सूरदास : भ्रमरगीतसार (संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल-21- 50पद)
तुलसीदास : रामचरितमानस उत्तरकाण्ड सम्पूर्ण (गीता प्रेस, गोरखपुर)

चतुर्थ इकाई

मीराबाई : मीरा का काव्य (सं.–विश्वनाथ त्रिपाठी)
मनथे परस हरि के चरण, जनक हरि, अलि रे मेरे णैणा बाण पणी, मा. गिरधर आगा नाच्यां री, मारा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाउॅं,माई री महा लिया गोविंदा मोल, ये मत बरजा माई री।

सहायक ग्रन्थ :

1. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
2. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
3. तुलसी के हिय हेरि : विष्णुकान्त शास्त्री
4. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
5. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र
6. मध्यकालीन बोध और साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. तुलसी काव्य–मीमांसा ' : डा. उदयभानु सिंह
8. Medival India : The study of Civilization : इरफान हबीब
9. मध्यकालीन भारत का इतिहास : सतीश चंद्रा

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या : 302
हिन्दी नाटक एवं एकांकी

प्रथम इकाई

नाट्य लेखन की परम्परा : संस्कृत एवं हिन्दी नाट्य लेखन : उद्भव एवं विकास
भारतेंदु युगः अनूदित एवं मौलिक नाटक, प्रसादयुगीन नाटक : ऐतिहासिक–सामाजिक नाटक और स्वाधीनता आन्दोलन, प्रसाद की नाट्य कला एवं रंगमंच की समस्या।

द्वितीय इकाई

प्रसादोत्तर हिन्दी नाटकों की प्रवृत्तियां, हिन्दी एकांकी का सूत्रपात एवं विकास।

तृतीय इकाई

. **नाटकः**

अंधेर नगरी	: भारतेन्दु हरिश्चंद्र
आधे-अधूरे	: मोहन राकेश
अंधा युग	: धर्मवीर भारती

चतुर्थ इकाई

एकांकी :

भोर का तारा	: जगदीश चंद्र माथुर
दीपदान	: रामकुमार वर्मा

सहायक ग्रंथ :

1. परंपराशील नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर
2. पारसी हिन्दी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण, लाल
3. समकालीन हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : जयदेव तनेजा
4. नाट्यालोचन के सिद्धांत : सिद्धनाथ कुमार
5. हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास : दशरथ ओझा
6. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
7. निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ : प्रो.सुधाकर सिंह

निबंध में देखें

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 303
भारतीय काव्यशास्त्र

प्रथम इकाई

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय

काव्य–लक्षण: काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–गुण एवं काव्य–दोष

शब्द शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना.

द्वितीय इकाई

भरतमुनि का रस – सिद्धांत, रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा; ध्वनि-सिद्धांत एवं उसके व्याख्याकार।

तृतीय इकाई

अलंकार सिद्धांत : अंलकार का महत्व, प्रमुख आचार्यों के मत।

प्रमुख अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा,रूपक, उत्प्रेक्षा,संदेह, भ्रांतिमान,अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, दृष्टांत, उदाहरण, निदर्शना, विभावना,

रीति सिद्धांत : रीति का वर्गीकरण, रीति एवं गुण.

चतुर्थ इकाई

वक्रोक्ति : वर्गीकरण वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद,वक्रोक्ति का महत्त्व. औचित्य सिद्धांत :औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्त्व.

सहायक ग्रन्थ :

1. संस्कृत काव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
3. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
4. रस–मीमांसा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. रस–सिद्धांत : डा. नगेंद्र
6. समीक्षा सिद्धांत : रामअवध द्विवेदी

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 304
आधुनिक भारतीय साहित्य

(नोट-सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियाँ ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं)

प्रथम इकाई

भारतीयता की अवधारणा : इतिहास एवं परम्परा, बहुभाषिकता एवं बहु सांस्कृतिकता। राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय साहित्य।

द्वितीय इकाई

संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति

मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै

पाठः

तृतीय इकाई

अक्करमाशी : शरण कुमार लिम्बाले

गोरा : रवीन्द्रनाथ

चतुर्थ इकाई

तुगलक :गिरीश कर्नाड

कवितायें -

रवीन्द्रनाथ की कविताएँ (चयनित) : (संपादन एवं अनुवाद : हजारी प्रसाद द्विवेदी) :निर्झर का स्वप्न भंग, प्राण, मुक्ति, भारत तीर्थ, अपमानित.

अवतार सिंह 'पाश'- मैं अब विदा लेता हूँ,मेरी माँ की आँखें,सबसे खतरनाक,धर्मदीक्षा के लिए विनय-पत्र,

वरवर राव - एक हाथ और दूसरा हाथ,अम्मा,आवाज़.

सहायक ग्रन्थ :

1. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
2. भारतीय राष्ट्र के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए आर देसाई
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डा. नगेंद्र
4. राष्ट्रवाद : रवीन्द्रनाथ टैगोर
5. भारतीय चिंतन परम्परा : के. दामोदरन
6. समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या:401
रीतिकाव्य

प्रथम इकाई

रीतिकाव्य के मूल स्रोत,रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीति–काव्य एवं लोक जीवन, लक्षण–ग्रन्थ परम्परा, अलंकार–निरूपण, बहुज्ञता एवं पाण्डित्य प्रदर्शन

द्वितीय इकाई

रीतिकालीन भक्ति काव्य, रीतिकाव्य की विविध धाराएँ एवं रचनाकार– केशव, मतिराम, भूषण, बिहारी घनानन्द,देव, पद्माकर.

तृतीय इकाई

केशवदास : आचार्यत्व, काव्य दृष्टि और संवाद योजना

रामचंद्रिका (संपादन :लाला भगवानदीन)(ग्यारहवां प्रकाश -1–30, बारहवॉ प्रकाश 1–30)

बिहारी : सौंदर्य भावना, बहुज्ञता, काव्यकला, दोहा संख्या 1,3,6,9,14,20,27,31,35,40,41,42,43,47,56,61,76,78,85,89,96.संपादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

चतुर्थ इकाई

घनानंद :संपादक : स्वच्छंद प्रेम योजना, प्रेम व्यंजना,काव्य दृष्टि,

पद सं–19,25,43,44,50,68,70,71,75,80,82,84,86,91,94, (विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

जगन्नाथदास रत्नाकर : उद्धवशतक, मंगलाचरण, 1,2,3,20,26,28,31, 34,35,37,40,45,46,67 भूषण : शिवराज भूषण की विशेषताएं.

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेंद्र
2. घनानंद का काव्य : रामदेव शुक्ल
3. बिहारी–रत्नाकर : जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
4. केशव का काव्य : विजयपाल सिंह
5. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह
6. घनानंद काव्य कौस्तुभ : डा॰ रामशंकर त्रिपाठी

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या :402
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रथम इकाई

प्लेटो :अनुकरण और आदर्श राज्य की परिकल्पना।
अरस्तू : अनुकरण ,विरेचन और त्रासदी का सिद्धांत।

द्वितीय इकाई

लौंजाइनस :काव्य में उदात्त की अवधारणा
वर्ड्सवर्थ : स्वच्छंदता एवं वर्ड्सवर्थ की काव्य तथा काव्य–भाषा संबंधी अवधारणा

तृतीय इकाई

कॉलरिजःकाव्य–भाषा ,कल्पना,रम्य कल्पना
मैथ्यू अर्नाल्ड की साहित्यिक मान्यताएँ
टी.एसःइलियटःनिर्वैयक्तिकता,परम्परा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा,वस्तुनिष्ठ सह –सम्बंध

चतुर्थ इकाई

आई.ए.रिचर्डस :मूल्य सिद्धांत ,सम्प्रेषण सिद्धांत क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद,नई समीक्षा ,संरचनावाद,उत्तर-संरचनावाद, विखंडनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता.

सहायक ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः :गणपति चंद्र गुप्त
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन
4. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
5. यथार्थवाद : शिवकुमार मिश्र
6. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत : रामचंद्र तिवारी

7-हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : डॉ.अमरनाथ

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 403
हिन्दी समीक्षा

प्रथम इकाई

हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
शुक्लपूर्व आलोचनाः भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु,

द्वितीय इकाई

आचार्य रामचंद्र शुक्ल : रस दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा
नंददुलारे बाजपेयी : सौष्ठववादी आलोचना
शांतिप्रिय द्विवेदी,हजारी प्रसाद द्विवेदी,

तृतीय इकाई

नलिन विलोचन शर्मा, नगेन्द्र
मार्क्सवादी आलोचना,: रामविलास शर्मा, नामवर सिंह.

चतुर्थ इकाई

रचनाकार आलोचकः प्रेमचंद, निराला, प्रसाद,पन्त,अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही

सहायक ग्रन्थः

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. चिंतामणि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
4. रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
5. आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
6. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी
8. नया साहित्य : नये प्रश्न : नंददुलारे बाजपेयी
9. रामचंद्र शुक्ल : मलयज
10. वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
11. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
12. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
13. छठवॉ–दशक : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी साहित्य के अस्सी बरस : शिवदान सिंह चौहान

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर (404)

चतुर्थ सेमेस्टर के अन्तर्गत चतुर्थ **प्रश्न** पत्र (कोड–404) में विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।

वैकल्पिक
पाठ्यक्रम संख्याः 404.1
रंगमंच एवं लोक–साहित्य

प्रथम इकाई

लोक साहित्य की अवधारणा,लोक **साहित्य की** मनोवैज्ञानिक एवं समाज **शास्त्रीय** व्याख्या, लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति,

द्वितीय इकाई

हिन्दी में लोक साहित्य का इतिहास, मिथक और लोक–साहित्य, लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, देवीगीत, जन्म एवं मृत्यु संबंधी गीत, विवाह गीत, ऋतु गीत, श्रम गीत, हिन्दी की ग्रामीण शैलियाँ एवं उनका **भाषिक वैशिष्ट्य**

तृतीय इकाई

लोक नाट्य परम्परा **लोकनाटकों के विविध रूप** (क) श्रव्य : लोकगाथा, लोक आख्यान, पंडवानी, आल्हा, **चंदैनी**.

(ख.) **दृश्य** : रामलीला, रासलीला, नौटंकी, लावनी, प्रहसन, बिदेसिया, नाचा, खयाल, बारहमासा, **नाच**, कव्वाली.

चतुर्थ इकाई

बिदेसिया : भिखारी ठाकुर
लोहा सिंह : **रोमेश्वर** सिंह
चरनदास चोर : **हबीब** तनवीर

- आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (**प्रदर्शन**) दोनों माध्यमों में अध्ययन कराया जाएगा.

सहायक ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य के प्रतिमान : डा. कुंदन लाल उप्रेती
2. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा
3. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार
4. लोक –साहित्य की भूमिका : धीरेंद्र वर्मा
5. लोक–साहित्य विज्ञान : डॉ.सत्येंद्र
6. : डा० नर्वदेश्वर राय
7. डा० अनुसूया अग्रवाल

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 404.2
अनुवाद अध्ययन

प्रथम इकाई

अनुवाद अध्ययन का इतिहास, अनुवाद की सामाजिक–सांस्कृतिक भूमिका, अनुवाद क्रियाएँ और महत्वपूर्ण अवधारणाएँ.

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद, उपलब्ध रूप, द्विभाषिकता, बहु–भाषिकता और अनुवाद मीडिया क्षेत्र में साहित्यिक अनुवाद.

तृतीय इकाई

आधुनिक प्रख्यात अनुवाद कर्म : अनुवाद प्रक्रिया, भााषिक **विश्लेषण**, अंतरण और पुनर्गठन, रूपांतरण और मिश्रण के नए रूप. दुभाषिया कर्म, आशु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कम्प्यूटर अनुवाद
अनुवाद के विविध रूप !

चतुर्थ इकाई

स्रोत-भाषा और लक्ष्य-भाषा की अवधारणा पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया एवं समस्याएँ। अनुवाद व्यवहार : **अँग्रेजी से हिन्दी एवं हिन्दी से अँग्रेजी गद्यानुवाद**, समान भाषा का अनुवाद !

सहायक ग्रन्थ :

1. अनुवाद विज्ञान : डा. नगेंद्र
2. अनुवाद विज्ञान : गार्गी गुप्ता
3. अनुवाद विज्ञानःसिद्धांत सिद्धि : **अवधेश** मोहन गुप्त
4. अनुवाद कला : डा. एन. ई. **विश्वनाथ** अय्यर
5. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : जे. सी. कैटफोर्ड
6. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ : डा. भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : श्री गोपीनाथन
8. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : डा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. **पश्चिम** में अनुवाद कला के **मूलस्रोत** : डा. गार्गी गुप्ता, **विश्वनाथ** गुप्त
10. ड : डा. इन्दु प्रभा पाराशर

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 404.3
जनसंचार माध्यम

प्रथम इकाई

जनसंचार के तत्व : तकनीक का विकास, जनसंचार की प्रमुख अवधारणाएँ,**जॉन** फिस्के,सारा मिल्स. भारत में संचार माध्यमों का विकास : प्रिंट, **रेडियो**,टी.वी., इंटरनेट.

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण और व्यावसायिकता : साइबर स्पेस और **जनसंचार** समाचार लेखन : विविध रूप, फीचर, अग्रलेख, साक्षात्कार, व्यावसायिक सामग्री लेखन, विज्ञापन लेखन, कहानी, पटकथा,

तृतीय इकाई

मीडिया अध्ययन की **प्रविधियां** : संरचनावादी, उत्तर संरचनावादी प्रविधि, जनसंचार, प्रसारण संख्या.

चतुर्थ इकाई

माध्यमों के स्वामित्व का रूप, विज्ञापन और जनसंपर्क प्रसारण प्रक्रिया : मार्केटिंग विभाग के प्रकार्य

- **सहायक ग्रन्थ** :

1.	हिन्दी पत्रकारिता	: कृष्णबिहारी मिश्र
2.	संस्कृति विकास और संचार क्रांति	: पी.सी. **जोशी**
3.	संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र	: रेमण्ड विलियम्स
4.	भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास	: जेफ्री रोबिन्स
5.	**साक्षात्कार** : सिद्धांत और व्यवहार	: **रामशरण जोशी**
6.	पटकथा लेखन	: मनोहर श्याम **जोशी**
7.	पटकथा लेखन	: मन्नू भंडारी